

खण्ड-क (अंक-50)

- 1-हिन्दी गद्य का विकास -हिन्दी गद्य का उद्भव एवं विकास, शुक्लयुग, शुक्लोत्तर युग, हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं-निबंध, उपन्यास कहानी, आलोचना इत्यादि। 1X5=5 अंक
- 2- काव्य साहित्य का विकास -(आधुनिक काल- भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, नयी कविता इत्यादि) 1X5=5 अंक
- 3-पाठ्यक्रम में निर्धारित गद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2x5=10 अंक
- 4-पाठ्यक्रम में निर्धारित पद्यांशों पर आधारित पांच प्रश्न। 2x5=10 अंक
- 5 (क)-पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों का साहित्यिक परिचय एवं कृतियाँ।(शब्द सीमा अधिकतम-80) 3+2=5 अंक
(ख)-पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का साहित्यिक परिचय एवं कृतियाँ।(शब्द सीमा अधिकतम-80) 3+2=5 अंक
- 6-पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों का सारांश एवं उद्देश्य पर आधारित प्रश्न (शब्द सीमा अधिकतम-80) 5x1=5 अंक
- 7-पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्डकाव्य की कथावस्तु एवं प्रमुख पात्रों का चरित्र चित्रण (शब्द सीमा अधिकतम-80)। 5X1=5 अंक

खण्ड-ख (अंक-50)

- 8(क)-पाठ्यक्रम में निर्धारित संस्कृत गद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+5=7 अंक
(ख)-पाठ्यक्रम में निर्धारित संस्कृत पद्य का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद। 2+5=7 अंक
- 9-लोकोक्तियों एवं मुहावरों के अर्थ एवं वाक्य प्रयोग। 1+1=2 अंक
(कम संख्या 10 एवं 11 से वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे)
- 10-(क)-सन्धि-(दीर्घ, गुण, यण, अयादि में से किन्हीं तीन सन्धियों से संबंधित शब्दों का सन्धि विच्छेद। 1x3=3 अंक
(ख) संस्कृत शब्दों में विभक्ति की पहचान- 1+1=2 अंक
संज्ञा- आत्मन् नामन्
- 11 (क)- शब्दों में सूक्ष्म अन्तर। 1+1=2 अंक
(ख) अनेकार्थी शब्द। 1+1=02 अंक
(ग) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द(वाक्यांश) (केवल दो) 1+1=2 अंक
(घ) वाक्यों में त्रुटिमार्जन (लिंग, वचन, कारक, काल एवं वर्तनी संबंधी त्रुटियाँ) 1+1=2 अंक
- 12-(क)रस-श्रृंगार, करुण, हास्य, वीर एवं शान्त रस के लक्षण एवं उदाहरण 02 अंक
(ख) अलंकार-(1) शब्दालंकार-अनुप्रास, यमक, श्लेष के लक्षण एवं उदाहरण। 1+1=2 अंक
(2) अर्थालंकार-उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा के लक्षण एवं उदाहरण।
- (ग) छन्द-मात्रिक-चौपाई, दोहा, सोरठा, कुण्डलियां के लक्षण एवं उदाहरण। 1+1=2 अंक
- 13-पत्र लेखन (निम्नलिखित में से किसी एक पर)- 2+4=6 अंक
(1) नियुक्ति-आवेदन-पत्र
(2) बैंक से किसी व्यवसाय के लिए ऋण प्राप्त करने का आवेदन-पत्र।
(3) अपने नगर या गाँव की सफाई हेतु संबंधित अधिकारी को प्रार्थना-पत्र।
- 14-निबन्ध (विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षा, कृषि, सामाजिक एवं राजनैतिक चेतना पर आधारित जनसंख्या, स्वास्थ्य शिक्षा व पर्यावरण से सम्बन्धित)। 2+7=9 अंक

पाठ्य वस्तु-

सामान्य हिन्दी विषय के लिए निम्नलिखित पाठ्य वस्तु का अध्ययन करना होगा:-

पुस्तक का नाम	लेखक का नाम	पाठ का नाम
1	2	3
गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1-बासुदेव शरण अग्रवाल 3-डॉ० हजारी प्रसाद द्विवेदी 4-प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी 6- डॉ०ए०पी०जे० अब्दुल कलाम	राष्ट्र का स्वरूप अशोक के फूल भाषा और आधुनिकता तेजस्वी मन के सम्पादित अंश
काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु	1-अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 2-मैथिलीशरण गुप्त 3-जयशंकर प्रसाद 4-सुमित्रा नन्दन पंत 5-महादेवी वर्मा 6-रामधारी सिंह "दिनकर" 7-सच्चिदानन्द हीरानंद वात्सायन "अज्ञेय"	पवन दूतिका कैकेयी का अनुताप श्रद्धा-मनु नौका विहार, बापू के प्रति गीत अभिनव-मनुष्य मैंने आहुति बनकर देखा, हिरोशिमा

कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

1-जैनेन्द्र कुमार
2-फणीश्वर नाथ 'रेणु'
4-अमरकांत

ध्रुव यात्रा
पंचलाइट
बहादुर

खण्ड काव्य (सहायक पुस्तक)

खण्ड काव्य

क्र०सं०	पुस्तक तथा लेखक	प्रकाशक	अनुदानित जिले
1	मुक्ति यज्ञ-लेखक- श्री सुमित्रा नन्दन पन्त	राधा कृष्ण प्रकाशन 2, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली	कानपुर, जौनपुर, मुरादाबाद, फैजाबाद, एटा, ललितपुर।
2	सत्य की जीत-लेखक- श्री द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी	ज्वाला प्रसाद विद्या सागर, 129, के०पी० कक्कड़ रोड, प्रयागराज।	लखनऊ, इटावा, बलिया, विजनौर, झांसी, बदायूँ, प्रतापगढ़, रामपुर, पीलीभीत।
3	रश्मि रथी लेखक- रामधारी सिंह "दिनकर"	उदयांचल, पटना, वितरक-लोक भारती 15-ए, महात्मा गांधी मार्ग, प्रयागराज।	वाराणसी, बुलन्दशहर, मथुरा, मुजफ्फरनगर, फतेहपुर, उन्नाव, देवरिया।
4	आलोकवृत्त लेखक- श्री गुलाब खण्डेवाल	कमल प्रकाशन, 105 मुकुन्दीगंज, प्रतापगढ़।	प्रयागराज, अलीगढ़, सहारनपुर, फर्रुखाबाद, मैनपुरी, मिर्जापुर, सीतापुर।
5	त्याग पथी लेखक- श्री रामेश्वर शुक्ल "अंचल"	साहित्यकार संघ, दारागंज, प्रयागराज।	आगरा, गोरखपुर, गाजीपुर, बरेली, सुल्तानपुर, जालौन, लखीमपुर खीरी, गोण्डा, शाहजहांपुर, बाराबंकी।
6	श्रवण कुमार लेखक- श्री शिव बालक शुक्ल	गौतम बन्धु गोइन रोड, लखनऊ	मेरठ, आजमगढ़, बस्ती, रायबरेली, हरदोई, बांदा, बहराइच, हमीरपुर।

नोट:-इसके अतिरिक्त अन्य जिलों/नवसृजित जिलों में खण्ड काव्य पूर्व की भांति यथावत् पढ़ाये जायेंगे।

खण्ड-ख, संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु-

संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु-

- 2-आत्मज्ञः एवं सर्वज्ञः
- 3-संस्कृत भाषायाः महत्त्वम्
- 4-जातक कथा
- 5-सुभाषित रत्नानि
- 6-महामना मालवीयः
- 7-पंचशील-सिद्धान्ताः
परिशिष्ट, व्याकरण, शब्दरूप, धातुरूप।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम-

गद्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

2-कन्हैया लाल मिश्र "प्रभाकर"- राबर्ट नर्सिंग होम में

5-हरिशंकर परसाई- निंदा रस

काव्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

2-मैथिलीशरण गुप्त -गीत

3-जयशंकर प्रसाद -गीत,

4-सुमित्रा नन्दन पंत -परिवर्तन

6-रामधारी सिंह "दिनकर"- पुरुरवा, उर्वशी

कथा साहित्य हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु

3-शिवानी -लाटी

संस्कृत हेतु निर्धारित पाठ्य वस्तु-1-भौजस्योदार्यम्

संस्कृत व्याकरण-संज्ञा- राजन् , जगत् , सरित्।

सर्वनाम-सर्व इदम्, यद्।

काव्य सौन्दर्य के तत्व- भ्रान्तिमान एवं संदेह